भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2065
दिनांक 06 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

वैश्विक क्षयरोग रिपोर्ट, 2024

2065. श्री हमदुल्ला सईद:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को वैश्विक क्षयरोग रिपोर्ट, 2024 में दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 में वैश्विक क्षयरोग के 26 प्रतिशत मामलों के साथ भारत में क्षयरोग (टीबी) के अत्यधिक बोझ की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा टीबी के मामलों में, विशेष रूप से पुरुषों में, पुनरावृत्ति की उच्च दर को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव हैं और विशेष रूप से पोषण संबंधी कमियों, मधुमेह और धूम्रपान की आदत वाले लोगों जैसी कमजोर आबादी में टीबी की रोकथाम और उपचार में वृद्धि करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;
(ग) टीबी से होने वाली मौतों में एक दशक की कमी के बावजूद क्षयरोग से होने वाली मृत्यु, जो अभी भी वैश्विक क्षयरोग मौतों का 26 प्रतिशत है, को कम करने के लिए क्या पहल की जा रही है;
(घ) क्या सरकार वर्ष 2023 में टीबी के लिए घरेलू वित्तपोषण में वृद्धि लेकिन अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण में कमी को देखते हुए कोई नई नीतिगत पहल करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) भारत में वर्ष 2019 से किए गए राष्ट्रीय टीबी व्याप्तता सर्वेक्षण के क्या परिणाम हैं और इसके निष्कर्षों के आधार पर टीबी नियंत्रण और रोकथाम में वृद्धि करने के लिए क्या रणनीतियां विकसित की गई हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) ने राष्ट्रीय कार्यनीतिक योजना लागू की है जिसके निम्नलिखित उद्देश्य है:-

- टीबी रोगियों का शीघ्र निदान, गुणवत्तापूर्ण आश्वस्त औषधियों और उपचार पद्धतियों द्वारा शीघ्र उपचार।
- निजी क्षेत्र में देखभाल चाहने वाले मरीजों से जुड़ना;
- उच्च जोखिम/असुरक्षित आबादी में सक्रिय मामलों का पता लगाना और उनके संपर्क में आने वाले व्यक्तियों का पता लगाना;

- वायुजनित संक्रमण नियंत्रण;
- सामाजिक निर्धारकों को हल करने के लिए बहु-क्षेत्रीय अनुक्रिया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2024 में बताया गया है कि, वर्ष 2023 में भारत का वैश्विक टीबी मामलों और मृत्यु में 26% का योगदान रहा।

इस मंत्रालय ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के माध्यम से उप-राष्ट्रीय स्तर पर टीबी के बोझ का आकलन करने के लिए 20 राज्य/राज्यों के समूह में राष्ट्रीय टीबी प्रसार सर्वेक्षण कराया था। देश में सभी आयु वर्गों में सभी प्रकार के टीबी मामलों की व्याप्तता प्रति लाख जनसंख्या पर 312 रिपोर्ट की गई।

व्यापकता सर्वेक्षण के आधार पर, टीबी की घटनाओं और मृत्यु दर को कम करने के लिए असुरक्षित आबादी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कार्यक्रम के कार्यकलापों को पुनः नीतिबद्ध किया गया। इस कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित कार्य/कदम उठाए गए हैं:

- राज्य और जिला विशिष्ट कार्यनीतिक योजनाओं के द्वारा उच्च टीबी बोझ वाले क्षेत्रों में लक्षित कार्यकलाप।
- टीबी रोगियों को निःशुल्क औषधियों और निदान की सुविधा उपलब्ध कराना।
- प्रमुख संवेदनशील और सह-रुग्ण आबादी में अभियान के माध्यम से सक्रिय टीबी मामलों का पता लगाना।
- आयुष्मान आरोग्य मंदिर को टीबी जांच और उपचार सेवाओं के साथ एकीकृत करना।
- टीबी मामलों की सूचना और प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी तय करना।
- उप-जिला स्तर तक आणविक निदान प्रयोगशालाओं का विस्तार करना।
- टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत कवरेज का विस्तार करना ।
- टीबी के कलंक को कम करने, सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाने के लिए गहन सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) संबंधी कार्यकलाप करना।
- टीबी उन्मूलन के लिए संबंधित मंत्रालयों के प्रयासों और संसाधनों को एकीकृत करना।
- टीबी रोगियों के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों और संवेदनशील आबादी को टीबी निवारक उपचार का प्रावधान करना।
- निक्षय पोर्टल के माध्यम से सूचित टीबी मामलों पर नज़र रखना।
- नि-क्षय मित्र पहल के अंतर्गत टीबी रोगियों और संपर्क में आने वाले उनके परिवार के व्यक्तियों को अतिरिक्त पोषण, नैदानिक और व्यावसायिक सहायता प्रदान करना।

*****